

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने नारायणगंज सीएचसी का किया सघन निरीक्षण

मण्डला। नारायणगंज तैरे के दौरान कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणगंज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री धोटे ने ओपीडी, पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, दवा वितरण कक्ष, पैथोलॉजी लैब, क्षयरोग जांच लैब, एक्स-रे रूम, ऑपरेशन थियेटर, लेबर रूम, मेडिकल स्टोर और पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से इलाज और दवाओं की उपलब्धता को लेकर फीडबैक भी लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को स्वास्थ्य केंद्र परिसर की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता से ही संक्रमण रोकने में मदद मिलेगी। मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करते हुए श्री धोटे ने बीएमओ को निर्देशित किया कि स्टोर का इंटरनल ऑडिट कराएं ताकि दवाओं के स्टॉक और वितरण में पारदर्शिता बनी रहे। पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों की माताओं से कलेक्टर श्री धोटे ने आत्मीय चर्चा की। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और माताओं को बच्चों के बेहतर पोषण के लिए घरेलू स्तर पर उपलब्ध पोष्टिक आहार देने के सुझाव दिए। कलेक्टर श्री धोटे ने एनआरसी स्टाफ को निर्देश दिए कि डिस्चार्ज के बाद भी बच्चों का फॉलोअप अनिवार्य रूप से किया जाए। निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, तहसीलदार नारायणगंज, सीईओ जनपद पंचायत नारायणगंज, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर नारायणगंज सहित स्वास्थ्य केंद्र का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

इंदल टोला ग्राम पहुंचकर लगाई चौपाल

कलेक्टर ने निभाया वादा, सुनीं समस्याएं

*** पात्रता पर्ची, मछुआ कार्ड, फौती नामांतरण को बताया मुख्य समस्या।**

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

जनसुनवाई में दिया वादा निभाते हुए कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे बुधवार को नारायणगंज जनपद के दूरस्थ ग्राम किकरिया के इंदल टोला पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय मंदिर परिसर में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से आत्मीय चर्चा की और गांव की मूलभूत समस्याएं जानीं।

विदित हो कि पिछली जनसुनवाई में किकरिया के ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे थे। तब कलेक्टर ने उन्हें स्वयं गांव आकर समस्याएं सुनने का भरोसा दिलाया था। उसी वादे को पूरा करते हुए श्री धोटे पूरे अमले के साथ इंदल टोला पहुंचे।

ग्रामीणों ने गिनाई 3 बड़ी समस्या

चौपाल में कलेक्टर श्री धोटे ने ग्रामीणों की सहभागिता से गांव की तीन प्रमुख समस्याएं चिन्हित कीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्रता पर्ची, मछुआ कार्ड, फौती नामांतरण जैसी

हिटग्राहीमूलक समस्याओं का पात्रता अनुसार शीघ्र निराकरण किया जाए।

ग्रामीणों ने सबसे बड़ी समस्या कूम्हा की राशन दुकान से राशन लाने में होने वाली दिक्कत बताई। इस पर कलेक्टर श्री धोटे ने भरोसा दिलाया कि अगले माह से गांव में ही वाहन के माध्यम से राशन पहुंचाया जाएगा। विद्युत समस्या पर उन्होंने विद्युत वितरण कंपनी से चर्चा कर समाधान कराने की बात कही।

विधायक ने दी सड़क की सौगात

चौपाल में मौजूद निवास विधायक श्री चैनसिंह वरकड़े ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर कूम्हा तिराहे से इंदल टोला तक प्रधानमंत्री

सड़क के लिए प्रस्ताव संबंधित योजना अंतर्गत बनाकर प्रेषित किया गया था। जिसकी स्वीकृति हो चुकी है। जल्द ही सड़क निर्माण शुरू होगा, जिससे गांव का संपर्क बेहतर होगा।

मत्स्य पालन और आजीविका पर जोर

चर्चा के दौरान समूह जल प्रदाय योजना की टंकी निर्माण, मत्स्य व्यवसाय करने वाले परिवारों की स्थिति, आबादी पट्टे और जर्जर स्कूल भवन का मुद्दा भी सामने आया। कलेक्टर श्री धोटे ने ग्रामीण महिलाओं से चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में मत्स्य पालन जैसे आजीविका के साधनों की काफी संभावना है। विभागीय योजनाओं से जोड़कर इसे बढ़ावा दिया जाएगा।

सड़क निर्माण की आड़ में वन संपदा को नुकसान



*** कान्हा टाइगर रिजर्व में अवैध उत्खनन।**

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/मुआबिछिया

कान्हा टाइगर रिजर्व के मोतीनाला बफर जोन अंतर्गत देवगांव में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के नियमों की धजियां उड़ाई जा रही हैं। सड़क निर्माण कार्य में जुटे ठेकेदारों द्वारा वन क्षेत्र के भीतर

से अवैध रूप से 'मुरम' का उत्खनन किया जा रहा है। अवैध खनन: संरक्षित बफर जोन की सीमा के भीतर खुदाई की जा रही है। निर्माण कार्य के नाम पर वन विभाग के कड़े नियमों को दरकिनार कर प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। टाइगर रिजर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की अवैध गतिविधियां वन्यजीवों के आवास और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा खतरा हैं।

व्यवहार न्यायालय बिछिया की न्यायाधीश द्वारा छात्रों से संवाद



भुआबिछिया। नर्मदा कंप्यूटर सेंटर (NCC) के छात्र-छात्राओं से व्यवहार न्यायालय (सिविल कोर्ट) बिछिया की न्यायाधीश मीनल गजबीर द्वारा संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ, इस दौरान न्यायाधीश द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता के बारे में संक्षिप्त रूप से बतलाया गया, दैनिक जीवन में संविधान कानून के नियमों का पालन आदर्श नागरिक की तरह करने पर चर्चा की गई। छात्राओं को महिला सशक्तिकरण के बारे में न्यायाधीश द्वारा बतलाया गया, आज हमारे देश की होनहार छात्राएं स्कूल से लेकर कॉलेज तक शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और हर क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाकर नारी शक्ति का सार्थक उदाहरण बन रही हैं। इस कार्यक्रम में नर्मदा कंप्यूटर सेंटर (NCC) के संचालक अनिल राजपूत, सभी छात्र छात्रा तथा मीडिया साथी उपस्थित रहे।

भाजपा ने जीत का जश्न मनाया

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/नारायणगंज

आज पूरा देश भगवामय होने को जा रहा है राष्ट्र प्रेमियों की खुशी का ठिकाना नहीं है लोग बंगाल की जनता का धन्यवाद करते थक नहीं रहे है और एक ही बात हर जुबान पर है भय की हार हुई और भरोसे की जीत मंच से कही गई इस बात को पूर्ण रूप से सत्य होता देख राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति मंत्र मुग्ध होकर खुश हो रहा है और इन खुशियों को अपने अपने हिसाब से लोगों से साझा कर रहा है कुछ सोशल मीडिया के अलग अलग प्लेटफार्म पर है तो कुछ प्रिंट मीडिया में तो कुछ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अपनी खुशी का इजहार कर रहे है। आज भाजपा मंडल नारायणगंज के द्वारा भी बंगाल

विधायक पट्टा ने उठाया खाद वितरण की E-टोकन व्यवस्था का मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/मुआबिछिया

विधानसभा क्षेत्र बिछिया (जिला मंडला) के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने प्रदेश में संचालित खाद वितरण की E-टोकन प्रणाली में व्याप्त समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर त्वरित सुधार की मांग की है। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में किसानों को आ रही कठिनाइयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। विधायक पट्टा ने अपने पत्र में बताया कि क्षेत्र में डिजिटल संसाधनों और आधार लिंकिंग की कमी के कारण बड़ी संख्या में किसान E-टोकन प्रक्रिया से वंचित हो रहे हैं। लगभग 30-40 प्रतिशत किसानों की भूमि अभी तक आधार से लिंक नहीं हो पाई है, जिससे वे खाद प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नर्मदा तट के कछार क्षेत्र में खेती करने वाले किसानों की भूमि शासकीय श्रेणी में दर्ज होने के कारण उनका डेटा पोर्टल में उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें खाद वितरण में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति क्षेत्र के छोटे और सीमांत किसानों के लिए अत्यंत चिंताजनक है। विधायक ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते खाद वितरण प्रक्रिया को सरल और सुलभ नहीं बनाया गया, तो आगामी कृषि सीजन में उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और किसानों की आजीविका पर संकट गहरा सकता है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए E-टोकन प्रणाली में लचीलापन लाया जाए तथा आधार से वंचित एवं कछार क्षेत्र के किसानों के लिए वैकल्पिक ऑफलाइन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन को मिला समर्थन

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

जिला मुख्यालय के कलेक्टर मार्ग में दो दिन से लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। यह धरना प्रदर्शन कान्हा प्रबंधन की लापरवाही और बाघों की मौतों को लेकर जारी है। इस धरना प्रदर्शन को अनेक सामाजिक संगठनों ने समर्थन दिया है। वहीं जिला कांग्रेस कमटी अध्यक्ष डॉ अशोक मर्सकोले, नगर अध्यक्ष रजनीश रज्जन उसरादे, आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, वरिष्ठ समाजसेवी पीडी खैरवार, मंडला जनपद अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, बहुजन समाजपार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र चौधरी, पशु प्रेमी निशा ठाकुर ने अपना समर्थन देते हुए धरना प्रदर्शन में बैठे पत्रकारों से चर्चा की है। बता दें कि जिले स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। देश-दुनिया में अपनी जैव विविधता और विशेष रूप से बाघों की शानदार मौजूदगी के लिए पहचान रखने वाला यह राष्ट्रीय उद्यान इन दिनों लगातार हो रही बाघों की मौतों को लेकर सुर्खियों में है। हालात इतने चिंताजनक हो चुके हैं कि न सिर्फ वन्यजीव प्रेमी बल्कि स्थानीय लोग पत्रकार और सामाजिक संगठन भी अब खुलकर प्रबंधन के खिलाफ आवाज उठाने लगे हैं जनवरी 2026 से लेकर अब तक कान्हा में 7 बाघों की मौत हो चुकी है जबकि पिछले एक वर्ष में यह आंकड़ा 12 तक पहुंच चुका है। यह संख्या किसी भी संरक्षित क्षेत्र के लिए बेहद चिंताजनक मानी जाती है खासकर तब जब यह क्षेत्र प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत आता हो और यहां सुरक्षा के लिए विशेष संसाधन

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार 3 नग वाईक

तृतीय उपहार 10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार 5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार 8 नग वाशिंग मशीन

छठवां उपहार 15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार 25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार 40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार 500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार 600 नग लंच वाक्स

ग्यारहवां उपहार प्रत्येक प्रतिभागी को सात्वता उपहार

नियम एवं शर्त :- 1. सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। 2. हरिभूमि के नवे एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। 3. महासंजीव डू. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। 4. इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। 5. योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) क्लिप् करने होंगे। 6. फोटोकॉपी या कट-कट कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे। 7. राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। 8. सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आवक के नियम व शर्त मान्य होगी। 9. हरिभूमि निर्मावक मंडल का निर्गम अंतिम एवं सर्वमन्य होगा। 10. किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र वास्वपुर (छ. म.) होगा। 11. विषय में दस्तावेज़ उपहार कार्याधिक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। 12. हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते हैं।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलापुर

मो. 9479623424, 9340637789

मोटर साईकिल की टक्कर से घायल

साईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से ामली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम धनौरा निवाी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस मै और मेरा भतीजा प्रशांत साहू तथा भाई चेताराम साहू तीनों पैदल धनौरा से पिठवानी जा रहे थें। जब हम लोग धनौरा देतपोन के बीच ऊभर नदी के पुल के पास पहुंचे तभी सामने से एक मोटर सायकिल क्रमांक MP05MM8796 का चालक तेज गति व लापरवाही पूर्वक अपनी मोटर साईकिल को चलाते हुये लाया और प्रार्थी को टक्कर मारते हुये घायल कर दिया गया। घटना को लेकर पुलिस ने घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी मोटर साईकिल चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

घास काटने से मना करने पर मारा हसिया

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम अमाडा निवासी राधे लाल पिता चेताराम लोधी उम्र 62 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे खेत के बाजू में ही प्रकाश पिता काशीराम लोधी का खेत है। बीते हुये दिवस की बात है एक प्रकाश लोधी आया और प्रार्थी के खेत की मेड पर लगी हुई घास काटने लगा तो प्रार्थी द्वारा घास काटने से मना किये जाने पर आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये हसिया के मूठ से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बाइक ने मासूम बच्ची को मारी टक्कर

गाडरवारा। समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम खुलरी निवासी दौलत सिंह पिता पूरन लाल महोबिया उम्र 44 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसकी 5 वर्षिय बेटी कुमारी यासी जब दूध लेकर पैदल घर जा रहा थी उसी दौरान खुलरी बस स्टैन्ड के पास से एक मोटर साईकिल क्रमांक MP-04-VC-2662 का चालक भीरझिर की ओर से अपनी मोटर साईकिल को तेज गति तथा लापवाही पूर्वक चलाते हुये लाया और यासी को टक्कर मार दी गई। घटना में मासूम को चोटे आने के कारण उपचार हेतु ज़ला चिकित्सालय ले जाया गया। वही घटना को लेकर पुलिस से आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

धारदार हथियार से किया हमला

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के माता वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी श्कायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने साथी वक्रांत जाटव व सौरभ जाटव के साथ नदी मुहल्ला गये हुये थे। उसी दौरान शिवा बाल्मीक व वरूण माल्मीक द्वारा किसी बात को लेकर एक राय होते हुये गंदी गंदी गालिया देते हुये चाकूनुमा तेज धारदार बस्तु से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के ख़िलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई को लेकर की मारपीट

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के ब्रज धाम के सामने चुंगी नाका निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह खेरापति मंदिर गया हुआ था उसी दौरान राहुल जाटव प्राथी के साथी प्रीतम जाटव से पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया दे रहा था। जब प्रार्थी ने राहुल को गाली देने से मना किया तो इसी बात को लेकर राहुल जाटव द्वारा बेल्ट से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बिजली की कटौती तो दूसरी ओर इल्ली का प्रकोप किसानों की मेहनत पर फेर रहा है पानी

सूरज की तेज तपन के बीच अपनी मूंग फसल को बचाने के साथ साथ गेहू विक्रय करने के लिये लाईनों में लगा हुआ नजर आ रहा है देश का अन्नदाता



हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी। रात दिन एक करते हुये खेतों में अन्न पैदा करते हुये देशवासियों का पेट भरने वाला किसान ही देश का आधार स्तंभ माना जाता है। मगर इन किसानों के साथ जिस तरह प्रकृति से लेकर सरकार द्वारा खेल खेला जाता है उसके चलते अन्नदाता की स्थिति लगातार बढ़ाहल होती चली जा रही है। यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आये दिन किसानों को इस बात का भरोसा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं और इसी भरोसे के आधार पर अन्नदाता किसान को न तो सूरज की तेज तपन देखता है और रात की नींद को नजर अंदाज करते हुये अपने खेतों में जुटा रहता है। मगर जब किसानों को खेती के लिये जरूरी सामग्री की जरूरत पड़ती है तो वह उपलब्ध नहीं होने से अन्नदाता लगातार टूटते चला जा रहा है। जब खेतों में बोनी करने का समय आता है तो एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर लम्बी लाईनों भूखे प्यासे लगा हुआ देखा जाता और उन्हें खाद नहीं मिल

पाती है तो खाली हाथ जाने के बाद चुपचाप तरीके से फिर दूसरे दिन खाद दुकानों व वितरण केन्द्रों के सामने लग जाता है। वही दूसरी ओर खेती संबंधी सामग्री के दामों में बढ़ोत्तरी का सिलसिला चल रहा है उसके कारण महंगाई के बीच किसान अपने खेतों में लगाने वाली लागत को खड़ा कर पाना भी मुश्किल हो जाता है। कहने के लिये तो सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु भरोसा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती है कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं और इसी भरोसे के आधार पर अन्नदाता किसान को न तो सूरज की तेज तपन देखता है और रात की नींद को नजर अंदाज करते हुये अपने खेतों में जुटा रहता है। मगर जब किसानों को खेती के लिये जरूरी सामग्री की जरूरत पड़ती है तो वह उपलब्ध नहीं होने से अन्नदाता लगातार टूटते चला जा रहा है। जब खेतों में बोनी करने का समय आता है तो एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर लम्बी लाईनों भूखे प्यासे लगा हुआ देखा जाता और उन्हें खाद नहीं मिल



इस तरह से देखी जा रही है कि किसानों को निर्धारित समय पर बिजली नहीं मिलने के कारण वह जब चंद घंटे के लिये लाईन चालू होती है तो भर दोपहरिया में अपनी सिंचाई पाईप बदलते हुये दिखाई देता है। वही दूसरी ओर मूंग फसल में लगातार बढ़ रहे हल्ले के प्रकोप के चलते दिन दिन भर अनेक प्रकार की कीट नाशक दवाईयाँ का तो सरका द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु फ़ड़काव करते हुये देखा जा रहा है। 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने की बात कही जा रही है। मगर सच्चाई का पता तो किसानों के खेतों पर पहुंचने के बाद ही देखने मिलता है। जहां पर बड़ी मुश्किलों के बीच मात्र चंद घंटे ही बिजली मिलने के कारण किसान अपने खेतों में बोई हुई मूंग फसल की सिंचाई तक नहीं कर पा रहे हैं। इस समय देखा जा रहा है कि सूरज की तेज तपन के बीच किसान अपने खेतों में लगी हुई मूंग फसल को बचाने में जुटा हुआ नजर आ रहा है। वही दूसरी ओर कुछ माटीपुत्र अपनी गेहू फसल का विक्रय करने के लिये लाईनों में सूरज के तपन से हालकान होने से नहीं चूक रहे हैं। स्थिति

की मिली भगत से अपने नलकूप चलाते हुये देखे जा रहे हैं। कहने के लिये तो प्रदेश में किसानों की मदद से लेकर फसलों के संबंध में जरूरी जानकारियाँ उपलब्ध कराने के लिये कृषि विभाग बनाया गया है। मगर इस विभाग में बैठे हुये अधिकारी गांवों में जानकारी देने के लिये पहुंचने की बात दूर अपने कार्यालयों में दर्शन भी दुर्लभ होते हुये जान पड़ते हैं...? जबकि नियम के अनुसार हर ब्लाक स्तर से लेकर सेक्टर स्तर पर कृषि अधिकारी नियुक्त रहते हैं जो समय समय पर किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें फसलों में लगने वाली बीमारियों के बचाव को लेकर किसानों को अवगत कराने की जिम्मेदारी रहती है। मगर इन अधिकारियों का हाल इस तरह का रहता है कि आज तक उनके सेक्टर में शामिल गांवों के दर्शन नहीं किये गये होंगे और अपने दायित्वों का निर्वाहन मात्र कारगजों पर करते हुये पूरा करने से नहीं चुकते हैं? गौर किया जावे तो किसानों की मदद के लिये केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री सम्मान निधि से लेकर मुख्यमंत्री सम्मान



निधि के माध्यम से हर साल किसानों के खेतों में 10 हजार रूपया प्रदान करने की बात कही जा रही है। मगर इस योजना का लाभ लेने के लिये क्षेत्र के किसान लगातार भटकते हुये देखे जा रहे हैं और यह योजना कागजों पर ही संचालित होते हुये दिखाई देने से नहीं चूक रही है...? इस तरह लगातार बढ़ाहली का शिकार हो रहे किसानों से जब चर्चा की गई तो क्षेत्र के किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा किसानों को जिस तरह मदद देने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर वह भरोसा मात्र मंचों से लेकर कागजो तक सीमित रहने के कारण अन्नदाता किसान परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस समय क्षेत्र के किसानों ने गर्मी मौसम की मूंग फसल अपने खेतों में बोई गई है। मगर पर्याप्त मात्रा में बिजली नहीं मिलने कारण वह सूखते चली जा रही है। इसी प्रकार से ग्राम बांसखेड़ा निवासी युवा कृषक महेश गुजर पटेल का कहना है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश में बैठी हुई सरकार द्वारा जिस तरह कहा जाता है कि वह किसानों की मदद के लिये सदा उनके साथ खड़ी है। सही मायने में देखा जावे

तो सरकार का यह बादा सिर्फ वाही वाही लूटने तक ही सीमित देखा जा रहा है। क्योंकि वर्तमान समय में क्षेत्र के किसानों को सबसे अधिक अपनी मूंग फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली की जरूरत है। सरकार के रिकार्ड में किसानों को 10 घंटे बिजली प्रदान की जा रही है। मुश्किल से चार से पांच घंटे ही बिजली मिलने के कारण हालत यह बनी हुई है कि किसानों की मूंग फसल सूखने की कारगर पर पहुंचते हुये देखी जा रही है। इसी प्रकार से एक अन्य माटीपुत्र का कहना है एक लगातार बढ़ाहली का शिकार हो रहे किसानों की खोज खबर लेने वाला कोई नहीं है और किसानों की हाल इस तरह बन चुकी है कि वह अपने खेतों में फसल को तैयार करने के लिये लगाई जाने वाली लागत भी पूरी नहीं कर पा रहा है। इस तरह जरूरत के हिसाब से बिजली नहीं मिलने के कारण खेतों में सूखते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर तैयार होते हुये मूंग फसल में जिस तरह इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लग रहे हैं उससे किसानों को अपनी फसल को बचना मुश्किल हो रहा है।

सांसद चौधरी दर्शन नहे सालीचौका क्षेत्र के गेहू उपाजर्ज केन्द्रों का किया निरीक्षण



हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। क्षेत्र के सांसद चौधरी दर्शन सिंह ने बुधवार को गाडरवारा तहसील के अंतर्गत आने वाले सालीचौका स्थित वेंयर हाउस और गेहूँ उपाजर्ज केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बताया जाता है एक उन्होंने निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय राजस्व अधिकारी

श्रीमति कलावति व्यारे सहित संबंधित अधिकारियों को उपाजर्ज के कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। वहीं सांसद सिंह ने जमाड़ा स्थित गेहूँ उपाजर्ज केंद्र का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुये उन्होंने उपाजर्ज कार्य को और

अधिक सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि गेहूँ खरीदी केंद्रों पर तौल-कांटों की संख्या बढ़ाई जाए। हम्माल-तुलावटी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसानों को तुलाई में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और उपाजर्ज कार्य समयबद्ध तरीके से संपन्न हो सके। सांसद ने कहा कि गेहूँ उपाजर्ज के कार्य में किसानों की सुविधा सर्वोपरि है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

टूटती हुई स्टैट हाइवे की सड़क पर ध्यान नहीं दिया तो बारिश के दिनों में बड़ी घटना की संभावना से नहीं किया जा सकता है इंकार..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। प्रदेश की राजधानी को संस्कारधानी से जोड़ने वाली मुख्य सड़क गाडरवारा से करेली हो या फिर गाडरवारा से त्परिया की जाने वाला यह मार्ग भले ही प्रदेश स्तर के मार्गों में गिना जाता है। मगर इस मार्ग की ज़स तरह से दुर्दशा होते हुये देखी जा रही है वह निश्चित तौर से चिंता जनक बनने के साथ साथ साथ केन्द्र सरकार द्वारा देश में बिछाये जा रहे सड़को के जाल पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नहीं चूक रहा है..? क्योंकि इस मार्ग पर जहां तहां निकले हुये गड्ढों के चलते आये दिन घटित होने वाली दुर्घटनाओं के चलते आमजन की ज़िन्दगी खतरे में तो दिखाई देते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। मगर दूसरी ओर मार्ग के बीचों बीच पुलियों के पास सड़को जिस तरह टूटते हुये देखा जा रहा है और उसकी अनदेखी भारी पड़ने की संभावना पैदा करने से नहीं चूक रहा है..? बताया जाता है कि यह

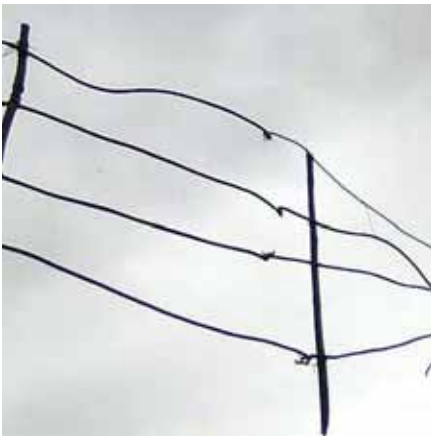


मार्ग प्रदेश स्तर का होने के चलते जहां इस मार्ग से प्रतिदिन छोटे बड़े सैकड़ो वाहन दौड़ना आम बात है। मगर सड़क के रख रखाव व दुर्घटना संभावित स्थलों की संबंधित विभाग द्वारा की जाने वाली अनदेखी बड़ी घटना का कारण बनने से नहीं चूक पाती है। कुछ इस प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के पास पास मार्ग यानि की शक्कर नदी पुल से शांतिदूर तिरहा के ओर जाने वाले मार्ग पर देखने

मिल रही है। बताया जाता है कि यहां से निकले हुये लडैया नाले के ऊपर बनी हुई पुलिया के दोनों ओर सड़क धीरे धीरे टूटती चली जा रहा है। इस तरह टूटती हुई सड़क को संबंधित विभाग द्वारा नजर अंदाज किया जाना जहां बड़े खतरे की ओर संकेत देने से नहीं चूक रही है। वही दूसरी ओर लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हुये इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले बारिश के सीजन में बड़ी दुर्घटना की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है..? क्योंकि यह प्रदेश स्तर का मार्ग होने के चलते प्रतिदिन सैकड़ो वाहनों का निकलना हो रहा है। वही दूसरी एनटीपीसी से निकलने वाली राख का परिवहन करने वाले भारी भरकम डम्परो की सच्चाई किसी से छिपी नहीं है। इस स्थिति में निश्चित तौर से आने वाला बारिश का मौसम क्षेत्र के लिये संकट पूर्ण होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है...?

ग्रामीण क्षेत्रों में डाली गई विद्युत केबिल में आये दिन लग रही आग से बंद रहती है बिजली व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/सडूमर। य.प्र. विद्युत मंडल द्वारा बीते हुए वर्ष शासन का करोड़ो रूपया खर्च करते हुए शहरों से लेकर गांवों में बिजली चोरी रोकने के लिए तारों की जगह केबिल डालते हुए बिजली चोरी रोकने का जो प्रयास किया गया है वह निश्चित ही अच्छाई का प्रतीक माना जा रहा है, इससे निश्चित ही बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा, मगर जिस प्रकार से बिजली विभाग द्वारा तारों की जगह केबिल डालने का कार्य ठेकेदारी के माध्यम से कराया गया था उसमें ठेकेदारों द्वारा जिस प्रकार की केबिलों को डाला गया है उनकी गुणवत्ता चंद दिनों में ही अपनी सच्चाई अपने आप स्पष्ट करते हुए दिखाई देने लगी है? क्योंकि आये दिन केबिलों में हो रही फाल्ट सहित उनमें टूट फूट के चलते इन केबिलों की गुणवत्ता की सच्चाई झलक रही है, वही दूसरी ओर ग्रामवासियों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस सच्चाई को लेकर लोग यह बात कहने से नहीं चूक रहे हैं कि केबिली करण के दौरान जिस प्रकार से ठेकेदारों द्वारा गुणवत्ता को दरकिनार करते हुए कार्य किया गया था उसमें बिजली विभाग के अधिकारियों की उदासीनता या फिर मिलीभगत की देन है जिसका परिणाम इस समय ग्रामीणों को भोगने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि गांवों में डाली गई केबिलों के आये दिन फाल्ट होने या फिर टूट फूट होने की स्थिति में जहां गांवों की बिजली बंद होने से लोग गर्मी में परेशान होते हुए देखे जा रहे हैं। वही दूसरी ओर गांव में बाटर स्प्लाई व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है जिसके चलते देखा जा रहा है कि गांवों के हेण्ड पंपों पर पानी भरने वाली महिलाओं की प्रतिदिन भीड़ लग रही है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि हाल ही में खींची गई केबिल चंद घंटे तक नहीं चल पा रही है जिससे यह अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि यह लम्बे समय तक कैसे चल पायेगी, यदि ग्रामीण क्षेत्रों में डाली जा रही इस केबिल की जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जांच की जावे तो ठेकेदार द्वारा इस कार्य में की जा रही गफलतबाजी की सच्चाई अपने आप ही स्पष्ट हो सकती है। इस प्रकार से लगातार खराब हो रही बिजली के चलते अटल ज्योति योजना के तहत जहां गांव के बत्ती गुल पड़ी हुई है जिसके चलते ग्रामवासियों को इस समय उमस भरी गर्मी के दौरान रात की नींद लेना तक मुश्किल हो रहा है।



प्रशासन की अनदेखी के चलते नगर के स्टेशन मार्ग पर लगातार फैल रहा है शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल, जिम्मेदारों की चुप्पी होसले कर रही बुलंद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यदि किसी बीमारी को फैलने के पहले ही उसका इलाज कर दिया जावे तो उस बीमारी को जानलेवा होने से रोका जा सकता है, मगर बीमारी की अनदेखी किये जाने का परिणाम होता है कि वह बाद में इस प्रकार का रूप धारण कर लेती है कि फिर उसे भगापाना मुश्किल हो जाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर की शासकीय भूमि पर लगातार हो रही अतिक्रमण रूपी बीमारी को देखते हुये जान पड़ रहा है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि समय समय पर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जाती है जिसमें प्रशासन का काफी हद तक पैसा बर्बाद होता है और प्रशासनिक अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने

पर राजनैतिक नेताओं के कोप का शिकार भी होना पड़ता है..? मगर वही अधिकारी शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण के शुरुआती तौर से जिस तरह से चुप्पी साध लेते है उसके चलते अतिक्रमणकारियों को सह मिलने से उनके होसले बुलंद हो जाते हैं और शासकीय भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ जाती है? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के रेल्वे स्टेशन की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग यानि की बीटीआई स्कूल के समीप पावर हाऊस के पास खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर लगातार हो रहे अतिक्रमण को देखते हुये जान पड़ रहा है। कुछ इसी प्रकार का हाल चीचली तिरहा के पास शासकीय विश्राम घर के सामने का देखा जा रहा है? यहां पर लगातार हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह

बात झूठ नहीं होगी कि जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे खुलेआम शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का जाल बिछ रहा है और वह अपनी आंखें बंद किये हुये हैं। क्योंकि जिस जगह इस समय शासकीय भूमि अतिक्रमण के भेंट चढ़ाते हुये देखी जा रही है वह नगर के तहसील कार्यालय से चंद कदम दूरी पर है तो उसके पास से राजस्व विभाग के अनेक जिम्मेदार अधिकारियों के निवास स्थल होने के साथ साथ ठीक उसके पीछे विद्युत कार्यालय स्थित होने के साथ साथ इसी मार्ग से अनेक जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर नेताओं का आना जाना लगा रहता है, मगर इसके बाद भी खुलेआम हो रहे अतिक्रमण की सच्चाई को अधिकारियों से लेकर नगर पालिका प्रशासन द्वारा भी जिस तरह से नजर अंदाज करते

हुये देखा जा रहा है उससे यह अनुमान लगने से नहीं चूक पा रहा है कि शायद शासकीय भूमि पर कब्जा जमाने के लिये अधिकारियों द्वारा इन अतिक्रमणकारियों के लिये अपनी मौन स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो? बताया जाता है कि बीते हुये कुछ दिनों से नगर के बीटीआई स्कूल से लेकर पावर हाऊस के सामने मुख्य मार्ग के किनारे खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा लगातार अपना कब्जा जमाते हुये टपरो की लम्बी लाईन लगा दी गई है और यह क्रम लगातार जारी होने के कारण यहां पर नये नये टपरे स्थापित होते चले जा रहे हैं। मगर इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से कोई ध्यान देना उचित नहीं समझा जा रहा है।

खबर संक्षेप

सेवादल को मजबूत बनाने की बनेगी रणनीति

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कांग्रेस सेवादल के संस्थापक डॉ एनएस हाडीकर की जयंती 7 मई गुरुवार को जिला कांग्रेस सेवादल अनूपपुर द्वारा श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन अनूपपुर में प्रातः 11 बजे से जिला एवं ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ हाडीकर के जीवन त्याग और संगठनात्मक योगदान पर विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी तथा संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने की रणनीति पर चर्चा होगी। जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉ एहसान अली अंसारी ने बताया कि कांग्रेस सेवादल, महिला सेवादल एवं युंग ब्रिगेड के सभी पदाधिकारी एवं सेवादार सेवादल की निर्धारित युनिफॉर्म में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष, पुष्पराजगढ़ विधायक फुन्देलाल सिंह माको, पूर्व विधायक मनोज अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह सहित कांग्रेस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि आमंत्रित रहेंगे।

कलेक्टर ने दारसागर में टमाटर खेती कर रहे किसानों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम दारसागर का भ्रमण कर टमाटर की खेती कर रहे किसानों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने टमाटर उत्पादन, विपणन व्यवस्था एवं उपलब्ध बाजारों की जानकारी प्राप्त की। किसानों ने बताया कि ग्राम दारसागर में बड़े पैमाने पर टमाटर की खेती की जाती है, जिसे शहडोल, बिलासपुर एवं रायपुर जैसे प्रमुख शहरों के बाजारों में विक्रय कर उन्हें अच्छी आय प्राप्त होती है। कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान उत्पादक संगठन का गठन कर अधिक से अधिक किसानों को संगठित किया जाए, जिससे टमाटर उत्पादन एवं विपणन को और सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने एपीसी से संबंधित सभी विभागों को समन्वय कर दारसागर को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने शिवकंटक धाम गौशाला का निरीक्षण कर पशुपालन को सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज जनपद पंचायत अनूपपुर के भ्रमण के दौरान ग्राम दारसागर में शिवकंटक धाम गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला के संचालन, दूध उत्पादन, आय-व्यय एवं अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों से पशुपालन गतिविधियों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधारों पर चर्चा की। उन्होंने पशु प्रदाय योजना के अंतर्गत अधिक पशु उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि दुग्ध उत्पादन एवं ग्रामीणों की आय बढ़ सके। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम दारसागर को पशुपालन के क्षेत्र में आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसे और सशक्त किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा सतीश वर्मा सहित तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश में डूबा शहपुरा का मुख्य मार्ग व्यवस्था पर उठे सवाल



शहपुरा । मंगलवार को हुई बारिश के बाद शहपुरा नगर का मुख्य मार्ग जलभराव की समस्या से जूझता नजर आया जिससे नगर पंचायत की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। हल्की बारिश में ही सड़क पर पानी और कीचड़ जमा हो जाने से आवागमन प्रभावित हो गया।दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को कीचड़ भरे पानी से होकर गुजरना पड़ा जबकि कई वाहन बीच रास्ते में फंसेते देखे गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या हर साल बारिश के मौसम में सामने आती है लेकिन अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।नालियों की नियमित सफाई नहीं होने और समुचित जल निकासी व्यवस्था के अभाव में पानी सड़कों पर भर जाता है जिससे पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। राहगीरों के अनुसार जलभराव के कारण दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारी समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं जिसके चलते हर बारिश में आमजन को परेशानी उठानी पड़ती है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ एक माह तक विभिन्न खेलों का मिलेगा प्रशिक्षण

डिंडोरी।



खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल के निदेश तथा कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन विकासखंड, तहसील और जिला मुख्यालय स्तर पर किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित इंडोर खेल परिसर में शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया।यह शिविर 5 मई से 5 जून 2026 तक संचालित होगा। इसमें प्रतिदिन सुबह और शाम दो-दो घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर का उद्देश्य बालक-बालिकाओं के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास को बढ़ावा देना है, साथ ही उनमें खेल भावना और आपसी सद्भाव विकसित करना भी है।

शिविर के दौरान कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, कराते, मार्शल आर्ट, बैडमिंटन और क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे प्रतिभागियों को अपने

खेल कौशल को निखारने का अवसर मिलेगा।जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग करने के लिए शिविर में भेजें। प्रशिक्षण का समय सुबह 6 से 8 बजे और शाम 5 से 7 बजे निर्धारित किया गया है। बच्चों को खेल किट के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया है।शुभारंभ अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी मो. अहमद खान, चेतराम अहिरवार, सुश्री आरती सोंधिया, श्रीमती सुनीता, आदर्श परस्ते, महेन्द्र धुवं सहित अन्य खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

तम्बाकू नियंत्रण कानून के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नगर पालिका में प्रशिक्षण



तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (कोटपा) के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि धारा 4 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पूरी तरह प्रतिबंधित है और उल्लंघन पर जुर्माने का प्रावधान है। धारा 5 के अनुसार तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन और प्रचार-प्रसार पर रोक है। धारा 6 (अ) के तहत 18 वर्ष से कम

आयु के व्यक्तियों को तम्बाकू उत्पाद बेचना प्रतिबंधित है, जबकि धारा 6 (ब) के अनुसार शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू बिक्री वर्जित है। धारा 7 के तहत तम्बाकू उत्पादों पर चित्रमय स्वास्थ्य चेतावनी अनिवार्य की गई है।प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि राज्य में हुक्का बार का

संचालन प्रतिबंधित है तथा इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है।कार्यक्रम के अंत में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि तम्बाकू नियंत्रण कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करें।

एसडीएम ने शहपुरा में निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

डिंडोरी

अनुविभागीय अधिकारी शहपुरा श्री ऐश्वर्या वर्मा ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने एनएच बायपास शहपुरा पर जारी कार्य और जेएसजेबी के निर्माणधीन स्ट्रक्चर का अवलोकन किया। इस दौरान तहसीलदार और एसडीओ एनएच भी मौजूद रहे। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी शहपुरा में निर्माणधीन 20 बिस्तरोंय नए अस्पताल भवन का निरीक्षण किया गया। मौके पर तहसीलदार स्वास्थ्य विभाग के उपयंत्री और एसडीओ पीआईयू उपस्थित रहे। एसडीएम ने निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।इसी क्रम में एसडीएम ने मॉडल कॉलेज शहपुरा के भवन



निर्माण कार्य की प्रगति का भी जायजा लिया। साथ ही डिग्री कॉलेज परिसर में बनाए जा रहे 100 सीटर छात्रावास का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।एसडीएम वर्मा ने सभी निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करने और गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय डिंडोरी में रेवोत्सव 2026 की धूम रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां

डिंडोरी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय डिंडोरी में मंगलवार को वार्षिकोत्सव रेवोत्सव 2026 का अंय और आकर्षक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष श्रीमती अंजू पवन भदौरिया रहीं जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशु जैन उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय प्राचार्य सुनील कुमार सोनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का निरंतर परिश्रम ही उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है और विद्यालय उनके सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयासरत है।प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में बताया गया कि विद्यार्थियों ने खेल कला और शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। बालिका कबड्डी टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन किया और पांच विद्यार्थियों का कबड्डी तथा बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ। विद्यालय परिसर में खेल मैदान के साथ हॉकी और मैथ्स गार्डन का भी विकास किया गया है।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत बालवाटिका प्रस्तुति राजस्थानी छत्तीसगढ़ी कश्मीरी और पंजाबी लोकनृत्य हिंदी और अंग्रेजी नाटिका संगीतमय



योग भरतनाट्यम कर्ण अर्जुन संवाद और मुकामिनय जैसी प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का निदेशन संगीत शिक्षक अमर कुण्ठ दीक्षित और अन्य शिक्षकों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कक्षा दसवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले श्रेयांश जैन सहित शैक्षणिक और सह शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित प्रतिभाओं को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं और



उन्हें शिक्षा के साथ अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने नर्मदा स्मृच्छता अभियान में विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम का संचालन कक्षा बारहवीं की छात्राएं कुमारी अनन्या शर्मा और कुमारी स्नेहा श्रीवास्तव तथा कक्षा नौवीं की छात्राएं कुमारी काव्या शुक्ला और कुमारी आराध्या बर्मन ने किया। अंत में वरिष्ठ शिक्षक नजीर अहमद खान ने आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक गणमान्य नागरिक और विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना पर समीक्षा बैठक, समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

डिंडोरी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत संचालित निर्माणाधीन एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में योजना से जुड़े विभिन्न विभागों—कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी, पशुपालन एवं डेयरी, एनआरएलएम, सहकारिता, उद्योग, कौशल विकास, राजस्व, आत्मा, कृषि अभियांत्रिकी और वाटरशेड—के कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। अधिकारियों को विभागीय गतिविधियों में समन्वय बनाते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधिकरण को प्रोत्साहित करना और



टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही जैविक संसाधन आधारित इकाइयों का विकास, दलहन-तिलहन, मशरूम, बांस एवं पुष्प उत्पादन को बढ़ावा, कटाई उपरांत भंडारण क्षमता में वृद्धि तथा सिंचाई ढांचे को मजबूत करना भी प्रमुख लक्ष्य है।

बैठक में पशुपालन, मत्स्य पालन, बकरी एवं गोवंश आधारित आजीविका को सशक्त करने, फसल ऋण वितरण, राइस मिल और वेयरहाउस

की स्थापना तथा कृषि उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने पर भी जोर दिया गया। साथ ही जिले के जैविक उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।सीईओ जिला पंचायत ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों और योजना से संबंधित लक्ष्यों को वर्षा ऋतु से पूर्व निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।बैठक में कृषि उप संचालक संजय जोशी, सुश्री अभिलाषा चौरसिया, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक एच.पी. शुक्ला, जिला प्रबंधक सहकारिता अशोक द्विवेदी, एनआरएलएम जिला प्रबंधक श्रीमती अर्पणा पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन सख्त, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

डिंडोरी। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में खनिज विभाग की टीम ने बुधवार को ग्राम बरोदा, तहसील शहपुरा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन करते हुए पकड़ा।कार्रवाई के दौरान बिना नंबर की ट्रैक्टर-ट्रॉली (इंजन नंबर NHG5HAE7170) को जब्त किया गया। जांच में वाहन चालक श्याम सिंह, निवासी ग्राम गुतली माल, तहसील शहपुरा, जिला डिंडोरी को अवैध परिवहन करते पाया गया। जब्त वाहन को सुरक्षाथं थाना शहपुरा में खड़ा कराया गया है।खनिज विभाग ने संबंधित वाहन के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले को कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।



महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरी आम आदमी पार्टी, कमशियल गैस कीमतों पर जताया विरोध

डिंडोरी। बढ़ती महंगाई और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में लगातार हो रही वृद्धि के विरोध में आम आदमी पार्टी ने डिंडोरी में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताया और जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि कमर्शियल गैस के दाम बढ़ने से छोटे होटल संचालकों रेहड़ी पटरी दुकानदारों और कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। इससे आम जनता पर भी आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया जिन पर महंगाई विरोधी नारे लिखे थे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां आम जनता पर भी आर्थिक विपरीत हैं और इसका लाभ बड़े कॉर्पोरेट्स को मिल रहा है।वक्ताओं ने कहा कि गैस की बढ़ती कीमतों के कारण बाहर का भोजन और चाय नाश्ता भी महंगा हो गया है जिससे आम लोगों की परेशानियां बढ़



रही हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने घंटों तक विरोध दर्ज कराया।

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट निर्मल कुमार साहू ने कहा कि इस बार कोई ज्ञापन नहीं दिया गया बल्कि सीधे जनता के बीच जाकर विरोध प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि अब केवल औपचारिकता नहीं बल्कि सड़क पर उतरकर संघर्ष किया जाएगा।उन्होंने चेतावनी दी

कि यदि कमर्शियल गैस की बढ़ी हुई कीमतें वापस नहीं ली गईं तो जिले में उग्र आंदोलन किया जाएगा।इस मौके पर प्रदेश सचिव सोहन तैकाम प्रदेश एसटी विंग उपाध्यक्ष झनक लाल तैकाम जिलाध्यक्ष एडवोकेट निर्मल कुमार साहू ओबीसी विंग जिलाध्यक्ष घनश्याम कुशवाहा एजुकेशन विंग जिलाध्यक्ष देवेन्द्र साहू जिला संयुक्त सचिव काशीराम झारिया अनीष साहू हरीश सोनवानी महिला विंग संगठन मंत्री कौशल्या नेताम उपाध्यक्ष एडवोकेट विनय झारिया संगठन मंत्री देवी प्रसाद साहू जिला सचिव प्रहलाद परस्ते सोशल मीडिया प्रमुख शारदा नामदेव हरीश दुबे विधानसभा शहपुरा अध्यक्ष दिलीप झारिया प्रवक्ता आकाश साहू नरेश भवेदी नंदकिशोर साहू कुसुम बाई शशि मरावी गोपाल सिंह प्रेम सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमरपुर में नल जल पाइप लाइन के लिए सड़क खुदाई पर सवाल, कार्यशैली को लेकर नाराजगी

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में नल जल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने का कार्य इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। मुख्य मार्ग पर की जा रही खुदाई और सड़क के भीतर पाइप लाइन डाले जाने को लेकर स्थानीय लोगों ने कार्य की तकनीकी प्रक्रिया और नियोजन पर सवाल उठाए हैं।जानकारी के अनुसार सड़क के दोनों ओर पेवर ब्लॉक लगे होने के बावजूद उन्हीं हिस्सों की खुदाई कर पाइप लाइन बिछाई जा रही है, जबकि नियमानुसार पाइप लाइन को सड़क के बाहर



बिछाया जाना चाहिए। इस कार्यशैली से भविष्य में रखरखाव के दौरान बार बार सड़क की खुदाई की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जताई जा रही है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पाइप लाइन सड़क के नीचे डाली जाती है तो निकट भविष्य में लीकेज या मरम्मत की स्थिति में आवागमन पूरी तरह प्रभावित होगा। साथ ही प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण कार्य में भी यह व्यवस्था बाधा बन सकती है। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया है कि राजस्व अभिलेखों के अनुसार क्षेत्र में पर्याप्त शासकीय भूमि उपलब्ध होने के बावजूद सड़क के भीतर ही पाइप लाइन बिछाने का निर्णय क्यों लिया गया। इससे न केवल तकनीकी जटिलताएं बढ़ेंगी बल्कि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है।इस संबंध में कुछ ग्रामीण उप तहसील कार्यालय अमरपुर पहुंचे, जहां जिम्मेदार अधिकारियों को अनुपस्थिति से लोगों में असंतोष और बढ़ गया।वहीं ग्राम पंचायत अमरपुर के सरपंच रामनाथ उद्दे ने बताया कि फिलहाल कार्य को रोक दिया गया है और जहां खुदाई की गई थी वहां पूर्ववत पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने जनगणना सर्वे कार्य का निरीक्षण कर लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज जिले के जनपद पंचायत अनूपपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नवाटोला एवं बेलिया बड़ी में जनगणना के प्रथम चरण के तहत घर-घर सर्वे कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं

कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक मकान का सही एवं पूर्ण रूप से सूचीकरण किया जाए तथा सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही न बरती जाए। कलेक्टर ने मौके पर सर्वे कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए जानकारी प्राप्त की और कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है।



खबर संक्षेप

राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल, बिना सूचना के हुआ सीमांकन



नरसिंहपुर। जिले के राजस्व विभाग में श्रद्धाचार और नियमों की अनदेखी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला जनसुनवाई के माध्यम से सामने आया है, जहाँ एक महिला आवेदक ने राजस्व विभाग के कर्मचारियों और पटवारी पर मिलीभगत कर बिना किसी पूर्व सूचना के भूमि का सीमांकन करने और कागजों में हेरफेर करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। आवेदिका दीपा ठाकुर, पति स्वर्गीय अमिषेक ठाकुर निवासी ग्राम रेवा नगर, तहसील करेली, जिला नरसिंहपुर ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर व्याज की गुहार लगाई है। आवेदन के अनुसार उनके परिवार के कुछ सदस्यों ने उनके स्वामित्व की पुश्तैनी भूमि (खसरा नंबर 57/2, रकबा 5.00 एकड़ में से 1/4 हिस्सा) को हड़पने की नीयत से राजस्व दस्तावेजों में हेरफेर करने की कोशिश की है। आसपास है कि पटवारी और राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारियों ने आवेदिका को बिना किसी सूचना पत्र (नोटिस) दिए भूमि का सीमांकन कर दिया। नियमानुसार, किसी भी सीमांकन प्रक्रिया से पहले सभी संबंधित पक्षों को सूचित करना अनिवार्य होता है। आवेदिका ने बताया कि उन्हें बार-बार राजस्व कार्यालय के चक्कर लगवाकर परेशान किया जा रहा है और संवैधानिक रूप से प्राप्त उनके अधिकारों का हनन हो रहा है। आवेदिका ने प्रशासन से मांग की है कि बिना उनकी जानकारी के किए गए किसी भी सीमांकन या राजस्व कार्यवाही को गिरस्त माना जाए। मविष्य में होने वाली किसी भी कार्यवाही से पहले उन्हें लिखित नोटिस दिया जाए। दोषी कर्मचारियों और भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आधार सेवा केंद्र पुनः प्रारंभ



नरसिंहपुर। कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर में नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधार सेवा केंद्र पुनरुद्घाटन किया गया है। यह केंद्र संचालक दिलीप कुशवाहा एवं नीलेश कुशवाहा द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के पंजीयन में संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र में आधार से संबंधित सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान किया जाएगा, जिसमें आधार कार्ड अपडेट, सुधार एवं अन्य सेवाएं शामिल हैं। इससे नागरिकों को आधार संबंधी कार्यों के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। कलेक्ट्रेट कार्यालय में ही सुगमता और सरलता से अपने आधार कार्ड से जुड़े कार्य करा सकेंगे। इस आधार सेवा केंद्र के माध्यम से आधार अपडेट के अंतर्गत नाम, पता एवं अन्य सुधार, नई प्रविष्टियां व आवश्यक संशोधन जैसी सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। प्रशासन द्वारा नागरिकों को आधार संबंधी सुविधाजनक, त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नेशनल लोक अदालत 09 मई को



तेंदूखेड़ा। लोगों के लंबित प्रकरणों की शीघ्र सुलझता से व्याज मिले को लेकर माननीय व्यायायारों द्वारा नेशनल लोक अदालतों का आयोजन कर विभिन्न प्रकार के मामलों का लोक अदालत के माध्यम से निराकरण किया जाता है।इसरी सिलसिले में आगामी 09 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।जिसकी तैयारियों और प्रचार प्रसार की दृष्टि से विधिक सेवा समिति के माध्यम से पत्रकारों को व्यापिक मजिस्ट्रेट माननीय शिवकांत कुशवाहा सिविल व्यायालय तेंदूखेड़ा के द्वारा जानकारी दी गई। पंडित वर्ग को त्वरित व्याज मिले इस दिशा में प्रचार प्रसार जरुरी है।

अस्पताल में पहुंच रहे उल्टी-दस्त पेट दर्द के मरीज

तेंदूखेड़ा। इन दिनों शायदी विवाहों का दौर व्यापक स्तर पर जारी है।लोग शायदी विवाह समारोहों में शामिल हो रहे हैं।देर रात्रि तक जागरण और मखालेदार भोजन सेहत पर बुरा प्रभाव छोड़ रहा है।जिसका असर सामुदायिक स्वास्थ्यके केन्द्रों में देखने को मिल रहा है। उल्टी-दस्त पेट दर्द के मरीज बढ़ी संख्या में इलाज कराने के लिए पहुंच रहे हैं।

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

शासन की योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित कर लक्ष्य की पूर्ति करें: कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में कृषि एवं संबंधित विभागों की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से करें। हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित कर लक्ष्य की पूर्ति करें। उन्होंने कहा कि शासन के योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि, आत्मा, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग एवं मंडी की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में कृषि व उससे संबंधित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

नरवाई को न जलाए किसान

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि किसानों को समझाइश दे कि वह फसल के अवशेषों (नरवाई) को न जलाए। इससे मृदा एवं पर्यावरण को नुकसान होता है। उन्होंने नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि किसानों को निर्धारित मापदंडों के अनुसार उर्वरक, बीज, कीटनाशक एवं खाद का वितरण करें। उक्त कार्यों में लापरवाही



बरतने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक में जलसंचय भागीदारी के तहत सोकपिट, नलकूप रिचार्ज और मेढबंधान इत्यादि जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य की पूर्ति करें। चौपाल, संगोष्ठिया एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जलसंचय संरचनाओं के निर्माण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने जिले में उड़द फसल के रकबे को बढ़ाने के लिए विस्तृत चर्चा की।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश
कलेक्टर श्रीमती सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के लिए संगोष्ठियों का आयोजन कर जागरूक करें। उन्होंने आयोजित संगोष्ठियों में कृषि, आत्मा एवं संबंधित विभागों के अधिकारी, वैज्ञानिकों प्रगतिशील सफल किसानों को सम्मिलित कर अन्य किसानों को प्रेरित करने को कहा। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उद्यानिकी विभाग द्वारा फल, मसाला, सब्जों की खेती का क्षेत्र विस्तार और जैविक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। जिससे जिले के किसान उद्यानिकी में फल, मसाला एवं सब्जी की खेती को अपना सकें।



आयोजित बैठक में मत्स्य विभाग अंतर्गत तालाबों का उपयोग, बायोप्लॉक, स्मार्टफिश पालर की प्रगति और मत्स्य समितियों के बैंक खाते खुलवाने के संबंध में चर्चा की गई। पशुपालन विभाग की समीक्षा में क्षीरधारा योजना, हिरण्यगर्भा योजना, नेशनल लाइव स्टॉक मिशन जैसी योजनाओं के क्रियान्वयन और गौशालाओं में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा वैकसीनेशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मंडियों में किसानों की

सुविधाओं का विस्तार करते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले में ई-नाम योजना के तहत मंडियों को डिजिटल रूप से जोड़ना है जिससे किसानों को उनकी फसल का उचित दाम मिल सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कृषि, आत्मा, पशुपालन और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। कृषक हितैषी कार्यों, नवाचारों और योजनाओं का क्रियान्वयन मैदानी स्तर पर करें। जिले के प्रगतिशील किसानों के माध्यम से नावाचारों का प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम पाठापिपरिया गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपार्जन केंद्र में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में पाया गया कि उपार्जन केंद्र में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता और किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई थी। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उपार्जन केंद्र की नोडल अधिकारी अकांक्षा राजपूत को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान खरीदी समिति के सदस्य भी अनुपस्थित पाए गए। एफएक्यू एवं नॉन-एफएक्यू की जांच के लिए उपयोग में आने वाले उपकरण भी



सर्वेयर के पास उपलब्ध नहीं थे, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार कर आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इसके बाद ग्राम तिंदनी में अंश वेयर हाउस में बनाए गए गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां सभी आवश्यक व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उन्होंने

हम्मालों को उपलब्धता, तौल-कांटे की व्यवस्था, टोकन प्रणाली, गोदामों में उपलब्ध खाली स्थान के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने बारदाने की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने कहा कि गेहूं उपार्जन केंद्रों में समुचित व्यवस्था रखी जाए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

ग्रंथालय में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, कलेक्टर से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिला मुख्यालय स्थित शासकीय ग्रंथालय (लाइब्रेरी) में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर स्थानीय छात्रों और पाठकों में भारी रोष है। इस संबंध में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने जिला कलेक्टर को एक सामूहिक आवेदन देकर अपनी समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की है। आवेदन

में बताया गया है कि ग्रंथालय को बने हुए 1.5 साल से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक यहाँ पीने के पानी की उचित व्यवस्था (वॉटर कूलर) नहीं की गई है। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी में स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। पत्र में छात्रों ने उल्लेख किया है कि प्रथम तल का तापमान ग्रंथालय के पहली मंजिल गर्मी में बहुत ज्यादा तपती है, जिससे वहाँ बैठना

दुश्च हो गया है। गर्मी से राहत के लिए विंडो कूलर तो लगाए गए हैं, लेकिन उनमें पानी भरने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। भीषण उमस और गर्मी के कारण ग्रंथालय में पढ़ने आने वाले बच्चों और युवाओं की तबीयत खराब होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उक्त मौके पर राखी, हेमंत, अभिषेक, अंजलि, निधि, रिया सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

शासकीय हाईस्कूल की लगातार हो रही उपेक्षा

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा के शासकीय बालक उच्चतर विद्यालय की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन का उपेक्षित नजरिए के चलते गंभीर स्थिति बनी हुई है। लगभग 70 साल पुराने हो चुके इस विद्यालय की जर्जर हालत हो जाने के बावजूद भी शासन प्रशासन केवल कागजी घोड़े दोढ़ाने में ही लगा हुआ है। स्थिति यह बनी हुई है कि विद्यालय परिसर के मलबे जहां तहां से टूट कर आखिरी सांसें गिन रहे हैं।कब धराशाय हो जायें और अनहोनी घटित हो जाये जिसे लेकर संशय पूर्ण स्थिति बनी हुई है।इस विद्यालय में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक लगभग 481 छात्र अध्ययन किया करते हैं। और यहां पर छात्रों के जिस अनुपात से नियमित शिक्षकों की व्यवस्था होनी चाहिए वह नहीं है अतिथि शिक्षकों के माध्यम से काम चल रहा है।हाल ही में जर्जर भवन के ऊपर वजन के चलते पुराने खपडे उतारकर उसके ऊपर 4.80 लाख रुपए खर्च करके ऊपर टील लगवाये गये हैं जो विगत दिवस आई तेज हवाओं में खड्ड गए थे।।आनन फानन तरीके से फिर से लगाये जा रहे हैं।लेकिन उतार टील कब तक चलेगे और जो राशि खर्च की गई है अनुपातिक दृष्टि से बहुत ज्यादा खर्च किया गया है फिर भी छात्रों को बरसात के दिनों में भवन में सुरक्षित बैठने की कोई गारंटी भी नहीं लग रही है।
लाखों रुपए खर्च करके बना है लैब - सबसे बड़ी विरोधित पूर्ण स्थिति तो यहां पर यह देखने को मिल रही है कि इस परिसर में छात्रों को बैठने के लिए पर्याप्त सर्वसुविधासुक्त भवन की जरूरत है लेकिन लगभग 95 लाख रुपए की राशि से यहां पर लैब बनाया गया है जिसमें 07 कक्ष बनाए गए हैं। इनमें चार अतिरिक्त कक्ष और तीन लैब रूम बनाये गये हैं।कक्षा नवमी से बारहवीं तक के छात्रों को बैठने के लिए चार कक्ष छात्रों की संख्या के मान से बहुत कम है।
क्षेत्रीय और स्थानीय लोगों का कहना है कि इस विद्यालय से शिक्षा ग्रहण करके ही छात्र काफी आगे बढ़े हुये है और इस विद्यालय की यह दुर्दशा हमेशा खलती है। शीघ्र ही विद्यालय का नया भवन निर्माण हेतु अधोसंरचना तैयार होनी चाहिए।



रासेयो छात्रा इकाई द्वारा लगाए गए सकोरे स्थापित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के निर्देशन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी एवं सह प्रभारी प्रो. प्रीति कौरव के मार्गदर्शन में तथा दल नायिका मनीषा राजपूत के नेतृत्व में भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए पक्षियों के लिए सकोरे स्थापित करने का सराहनीय अभियान चलाया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के विभिन्न स्थानों पर सकोरे रखकर उनमें स्वच्छ जल भरने की व्यवस्था की तथा आमजन को भी इस पुनीत कार्य हेतु प्रेरित किया।



कार्यक्रम का उद्देश्य बढ़ती गर्मी में पक्षियों को पानी उपलब्ध कराकर पर्यावरण संरक्षण एवं जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देना रहा। कार्यक्रम में सह प्रभारी प्रो. प्रीति कौरव एवं श्रीमती कल्पना साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस

अभियान में दलनायिका मनीषा राजपूत, मीडिया प्रभारी श्रुति गुप्ता, दीक्षा बर्मा, अंजली चैधरी, पिंकी मेहरा, दीक्षा सेन, मुस्कान पांडे, तरन्नुम आदि स्वयंसेवकों की सक्रिय एवं सराहनीय सहभागिता रही।

नाए बस स्टैंड की दुर्दशा: करोड़ों की सौगात बदइतजामी की भेंट, शौचालय तक हुए बढहाल, बसें नहीं रुक रहीं, यात्रियों को नहीं मिल रहीं मूलभूत सुविधाएं, विभागीय उदासीनता पर उठे सवाल

गोटेगांव।

नगर के जबलपुर रोड स्थित नवीन बस स्टैंड को आमजन को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने, बसों के सुव्यवस्थित संचालन और यात्रियों को सुरक्षित प्रतीक्षालय देने के उद्देश्य से करोड़ों रुपए की लागत से तैयार किया गया था, लेकिन वर्तमान हालात देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना अब केवल नाम मात्र की व्यवस्था बनकर रह गई है। बस स्टैंड की स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है और जिम्मेदार विभाग की उदासीनता के चलते यहां की व्यवस्थाएं भगवान भरोसे संचालित हो रही हैं।नगरवासियों का कहना है कि जिस बस स्टैंड को गोटेगांव की यातायात व्यवस्था का केंद्र बनाया जाना था, वहां आज भी अधिकांश बसों का नियमित ठहराव सुनिश्चित नहीं हो पाया है। इक्का-दुक्का बसों के रुकने से न तो यात्रियों को सुविधा मिल रही है और न ही शासन की करोड़ों की लागत का उद्देश्य पूरा हो पा रहा है। यदि परिवहन विभाग एवं स्थानीय प्रशासन सख्ती से सभी रूटों की बसों का स्टॉप यहां

अनिवार्य करवाए, तभी इस बस स्टैंड की उपयोगिता सिद्ध हो सकेगी।सबसे दयनीय हालत शौचालय की, महिला यात्रियों को भारी परेशानीनवीन बस स्टैंड में यात्रियों की सुविधा के लिए निर्मित शौचालय इस समय अपनी बदहाली की कहानी स्वयं बयां कर रहा है।शौचालय की टूटी-फूटी टाइल्स, गंदगी, रखरखाव का अभाव और साफ-सफाई की लचर व्यवस्था जिम्मेदारों की पोल खोल रही है। खासतौर पर महिला यात्रियों को यहां सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।महिलाओं का कहना है कि बस स्टैंड पर शौचालय तो बना दिया गया, लेकिन उसमें न स्वच्छता है, न पर्याप्त पानी की व्यवस्था और न ही उपयोग लायक स्थिति। मजबूरी में कई महिलाएं निराश होकर बिना सुविधा का लाभ लिए अपने गंतव्य की ओर रवाना हो जाती हैं।पुराना शौचालय बना कचराघर, रखरखाव का नहीं कोई प्रबंधबस स्टैंड परिसर में पूर्व से निर्मित पुराना शौचालय अब कचरालय में तब्दील हो चुका है। वहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है और आसपास दुर्गंध का माहौल बना रहता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बस स्टैंड परिसर की नियमित मॉनिटरिंग, सफाई और

मरम्मत के लिए या तो कोई जवाबदेह कर्मचारी नियुक्त नहीं है, या फिर नियुक्ति के बाद भी कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है।करोड़ों खर्च, लेकिन संचालन में नहीं सख्तीस्थानीय नागरिकों का कहना है कि शासन ने बस स्टैंड का भवन, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय और अन्य संरचनाएं तो बना दीं, लेकिन इसके प्रभावी संचालन के लिए न तो प्रशासनिक इच्छाशक्ति दिखाई दे रही है और न ही परिवहन अनुशासन। बस ऑपरेटर मनमर्जी से पुराने स्टॉप या अन्य स्थानों से यात्रियों को बैठा-उतार रहे हैं, जिससे नया बस स्टैंड उपयोग से पहले ही उपेक्षा का शिकार हो गया है।हरदौल वार्ड में बना बस स्टैंड बहा रहा बरबादी के आंसूहरदौल वार्ड स्थित यह नवीन बस स्टैंड आज अपनी जर्जर होती व्यवस्थाओं पर मानो आंसू बहा रहा है। जहां यात्रियों की चहल-पहल होनी चाहिए थी, वहां अव्यवस्था, उपेक्षा और रखरखावहीन ढांचा नजर आता है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत, साफ-सफाई, शौचालय सुधार, पेयजल व्यवस्था और बसों के अनिवार्य संचालन पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में यह करोड़ों की सरकारी राशि के दुरुपयोग का प्रतीक बन जाएगा।जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से

उठी मांगनगरवासियों ने शासन में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों, परिवहन विभाग तथा जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि नवीन बस स्टैंड को केवल शोपीस बनाकर न छोड़ा जाए।सभी बसों का नियमित स्टॉप यहां अनिवार्य किया जाए।शौचालयों की तत्काल मरम्मत और साफ-सफाई हो।पुरानी जर्जर सुविधाओं का पुनर्निर्माण कराया जाए।यात्रियों के लिए पेयजल, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।परिसर की निगरानी हेतु स्थायी कर्मचारी तैनात की जाए।तभी करोड़ों की लागत से बने इस बस स्टैंड का वास्तविक लाभ आम जनता को मिल सकेगा।जनता का सवाल—क्या सिर्फ उद्घाटन के लिए बना था बस स्टैंड?अब नगर में यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या यह नवीन बस स्टैंड केवल निर्माण और उद्घाटन तक ही सीमित था? यदि शासन ने जनता की सुविधा के लिए इसे बनाया है तो उसकी नियमित देखरेख, रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?जब तक इस प्रश्न का जवाब जिम्मेदार विभाग नहीं देता, तब तक गोटेगांव का नया बस स्टैंड यूं ही बदहाली की तस्वीर बना रहेगा।

